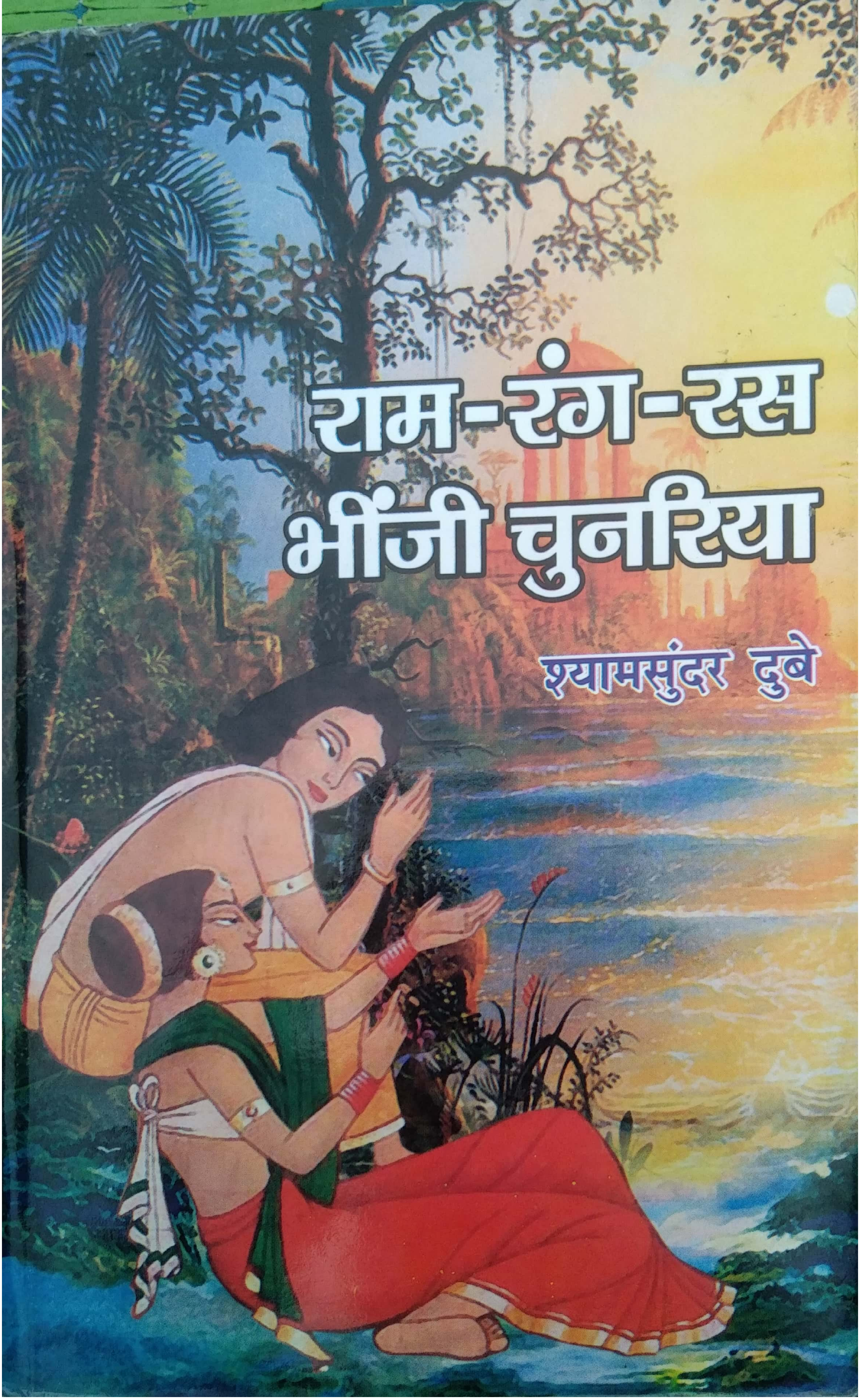

# राम-रंग-रस भींजी चुनरिया

श्यामसुंदर दुबे

Scanned with OKEN Scanner

# राम-रंग-रस भींजी चुनरिया

## (ललित निबंध)

श्यामसुंदर दुबे

**ग्रंथकेतन**

दिल्ली-32

Scanned with OKEN Scanner

इस पुस्तक का प्रकाशन अयोध्या शोध संस्थान द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता से किया गया है। इसमें उल्लिखित तथ्यों एवं अभिव्यक्त विचारों की जिम्मेवारी लेखक की है। अयोध्या शोध संस्थान की नहीं।

**ग्रंथकेतन**
1/7342, नेहरू मार्ग
ईस्ट गोरख पार्क
शाहदरा, दिल्ली-110032
फोन : 011-32046038

© : लेखक
**ISBN : 978-81-89270-19-3**

**मूल्य** : 200.00 रुपये
**प्रथम संस्करण** : 2010
**शब्द संयोजन** : प्रिंस कम्प्यूटर्स, दिल्ली-110094

---

Ram Rang Ras Bhingi Chunaria
Shyam Sunder Dubey

# अनुक्रमणिका


1. भूमिका 7

2. कहि न जाई अस अद्भुत बानी 9

3. उपजहिं अनत अनत छवि लहहीं 15

4. कवित विवेक एक नहिं मोरे 23

5. शून्य भीति पर चित्र, रंग नहिं, तनु बिन लिखा चितेरे 29

6. जो बरसई वर बारि विचारी 35

7. अस मानस मानस चख चाही 41

8. भाषा भनिति प्रभाऊ 47

9. तब लगि बैठि रहेऊ बट छाँही 53

10. पीपर तरु तर ध्यान सो धरई 59

11. नव तुलसी दल मंगल मूला 65

12. गये जहाँ सीतल अमराई 71

13. गरुड़ गिरा सुनि हरषेऊ कागा 77

14. सजल मूल जिन्ह सरितन्ह नाँही 83


Scanned with OKEN Scanner

15. चातक रटत तृषा अति ओही 89
16. राम-रंग-रस भींजी चुनरिया 96
17. कीजै सिसु लीला अतिप्रिय सीला 101
18. एक ललित लघु एक विशाल 107
19. तदपि कहे बिनु 111
20. सुनत तीरवासी नरनारी 117
21. परहित सरिस धरम नहिं भाई 122
22. अस विवेक जब देई विधाता 125

Scanned with OKEN Scanner

ग्रंथकेतन

1/7342, नेहरू मार्ग, ईस्ट गोरखपार्क
शाहदरा, दिल्ली-32

Scanned with OKEN Scanner